अप्रैल 2011
गृहलक्ष्मी

क्या कभी आपने इस बात पर गौर किया है कि हमारे फिल्मी सितारे चाहे अपनी उम्र के किसी भी पड़ाव में क्यों न पहुंच जाएं, पर उनके चेहरे पर कभी ढलती उम्र नजर नहीं आती है। उदाहरण के तौर पर फिल्म अभिनेत्री रेखा को ही ले लीजिए, आज भी उनकी त्वचा में झुर्रियों की एक रेखा तक भी देखने को नहीं मिलती है क्योंकि आज बोटोक्स ट्रीटमेंट जैसे कई ऐसे ट्रीटमेंट बाजार में मौजूद हैं, जो इन समस्याओं से झटपट छुटकारा दिला देते हैं। आइए जाने इस बारे में न्यूट्रीहील की ओनर व ब्यूटी एक्सपर्ट मानसी और कॉस्मेटिक सर्जरी इंस्टीट्यूट, के वरिष्ठ कॉस्मेटिक सर्जन डॉ. मोहन थॉमस से।

लगता है और तीन महीने तक रहता है। इस बारे में न्यूट्रीहील की मानसी का कहना है कि इसका असर तीन महीने से भी ज्यादा बरकरार रखा जा सकता है, जिसके लिए दवाइयों का सेवन करना पड़ता है। इसके लिए आपको डॉक्टर के परामर्श से दवाइयां लेनी होती हैं, जिसके बाद इसका असर चार माह तक भी चल सकता है। उसके बाद यह रेखाएं फिर से वापस अपनी जगह आ जाती है पहले की तरह।

कब करवाएं ट्रीटमेंट

इस बारे में मानसी का कहना है कि बोटोक्स ट्रीटमेंट आवश्यकतानुसार कोई भी व्यक्ति करवा सकता है, पर सही मायने में इसे तीस वर्ष के बाद ही करवाना चाहिए। पर आजकल तो 23 और 24 वर्ष के लड़के और लड़कियां भी इसे करवाने लगे हैं, क्योंकि उन्हें अपने चेहरे पर किसी भी तरह की रेखा पसंद नहीं है। वैसे भी आज के जमाने को देखते हुए सुंदर दिखना हर किसी की आवश्यकता बन चुकी है। अब रही बात 30 की उम्र के बाद इसे करवाने की तो उम्र के इस पड़ाव में आकर यह हर महिला की खास जरूरत बनती जाती है, क्योंकि उनके चेहरे पर झुर्रियां पड़नी शुरू हो जाती है। इसलिए 30+ के बाद इस समस्या से बचने के लिए स्कीन टाइटनिंग फेशियल करवाना शुरू कर देना चाहिए और साथ ही स्कीन टाइटनिंग मास्क भी लगवाना चाहिए। उससे फायदे न होने पर बोटोक्स ट्रीटमेंट करवाना चाहिए, ताकि एंटी एजिंग की समस्या आपके चेहरे पर नजर ना आएं।

ढलती उम्र को कम करे बोटोक्स ट्रीटमेंट

बढ़ती उम्र के साथ चेहरे पर पड़ने वाली अजीब-सी रेखाएं जोकि रिंकल के नाम से जानी जाती हैं जो चेहरे की रौनक को बिगाड़ देती हैं। पर आजकल बाजार में कई ऐसे ट्रीटमेंट मौजूद हैं, जिनकी सहायता से इन समस्याओं से बचा जा सकता है।

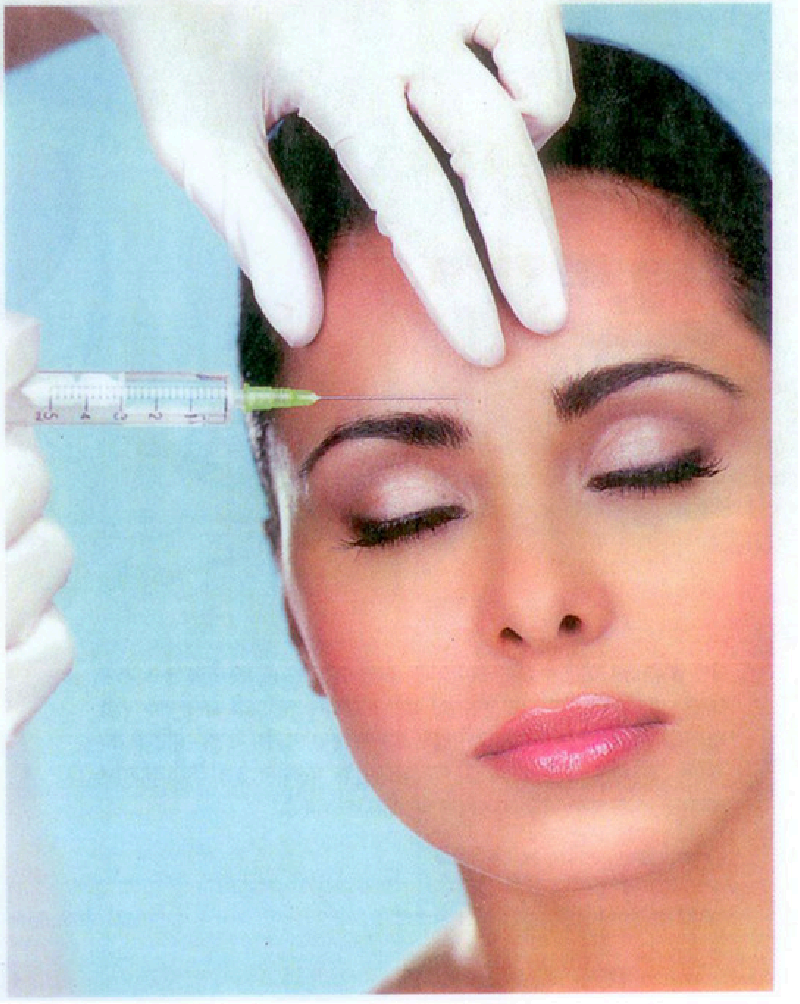

क्या है बोटोक्स ट्रीटमेंट

बोटोक्स एक तरह का टॉक्सिन है, जो चेहरे पर पड़ने वाली रेखाओं को व झुर्रियों को खत्म कर देता है, जिसे हम बोटोक्स ट्रीटमेंट के नाम से जानते हैं। इस पूरे ट्रीटमेंट के अंतर्गत चेहरे के जिन-जिन हिस्सों पर रेखाएं पड़ चुकी होती हैं उतने हिस्से पर निशान लगा कर बोटोक्स इंजेक्शन लगाया जाता है। जो कुछ समय के लिए मांसपेशियां सुन्न कर देती है। यह मस्तिष्क के अग्रभाग यानि आंखों के आसपास की महीन पेशियों को कमजोर कर देती है, जिसके बाद सारी झुर्रियां और सिलवटे समाप्त हो जाती है, जिसका असर एक सप्ताह के अंदर ही दिखने